pects. The recommendations relate to capital adequacy, asset quality, non-performing assets, directed credit, prudential norms, disclosure requirements, systems and methods in banks, structural issues, rural and small industrial credit, regulation and supervision, legal and legislative framework. These recommendations constitute a valuable input into the ongoing exercise by Government and the Reserve Bank of India for reform of the Banking Sector.

Committee to Study Rural Wealth Tax

3746. SHRI VIJAYARAGHVAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government have appointed any committee to conduct study on the viability of imposing rural wealth tax;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether Government proposes to sop the benefits of subsidies of fertilizer and other agricultural inputs for rural rich?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI R. JANARTHANAN): (a) No, Sir.

(b) In view of '(a)' does nor arise.

(c) No, Sir.

रुपये की कीमत/स्टाक सूचकांक में गिरावट

3747. **श्री जनेश्वर मिश्र:**
डा० वाई० लक्ष्मी प्रसाद:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ दिनों में रुपये की कीमत में लगातार गिरावट आती जा रही है;

(ख) क्या यह भी सच है कि शेयर सूचकांक भी लगातार नीचे गिरता जा रहा है; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और सरकार रुपये की कीमत और शेयर सूचकांक को गिरने से रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है?

वित्त मंत्री (श्री यशवन्त सिन्हा): (क) अमरीकी डालर की तुलना में रुपए की विनिमय दर में दिन प्रति दिन के उतार-चढ़ाव दर्शाते हैं कि 23 जून, 1998 तक निरन्तर अवमूल्यन के बाद, जून, 1998 के अन्तिम सप्ताह में विनिमय दर में क्रमशः अधिमूल्यन हुआ है और इनमें जुलाई, 1998 के पहले पखवाड़े के दौरान पर्याप्त स्थिरता देखने में आई है।

(ख) स्टाक सूचकांकों के प्रतिदिन के उतार-चढ़ाव दर्शाते हैं कि 23 जून, 1998 तक निरन्तर गिरावट के बाद जून, 1998 के अन्तिम सप्ताह और जुलाई, 1998 के पहले पखवाड़े के दौरान सूचकांकों में आंशिक रूप से कुछ सुधार आया है।

(ग) रुपये की विनिमय दर बाजार द्वारा निर्धारित होती है। जून, 1997 से पूर्वी एशियाई बाजारों के घटनाक्रम का भारत में भी बाजार की स्थिरता पर प्रभाव जरूर पड़ा है और प्रत्याशाओं की वजह से रुपए पर दबाव पड़ा। इसके अतिरिक्त, मई और जून, 1998 के दौरान घटित कई घटनाओं के कारण भी रुपए पर दबाव पड़ा। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपए के मूल्य में अस्थिरता पर नियंत्रण करने और विदेशी मुद्रा बाजारों में सुव्यवस्थित स्थितियों को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। इन उपायों में शामिल हैं:—भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार के हाजिर/वायदा कारोबार दोनों खण्डों में विदेशी मुद्रा की खरीद/बिक्री, जिनके पूरक के रूप में प्रायः उपयुक्त मौद्रिक उपाय लागू किए जाते हैं। सट्टेबाजी संबंधी प्रयोजनों के लिए घरेलू नकदी-निधि तक पहुंच को कम करने के लिए भी विशिष्ट उपाय किए गए हैं।

स्टाक बाजार को प्रभावित करने वाले कई कारक हैं। इन में अर्थव्यवस्था और निगमित क्षेत्र के निष्पादन के प्रति निवेशकों की आशाएं और सरकार की आर्थिक नीतियों के बारे में निवेशकों की अवधारणाएं, अंतर्राष्ट्रीय पूंजी बाजार घटनाक्रम शामिल हैं। सरकार तथा स्टाक बाजार विनियामक (सेबी) की मुख्य चिन्ता यह सुनिश्चित करना है कि स्टाक बाजार विनियामक के नियम और विनियमों के अनुरूप सुव्यवस्थित और पारदर्शी रूप में काम करें।